डॉ. रॉबर्ट वानॉय , पुराने नियम का इतिहास, व्याख्यान 29

© 2011, डॉ. रॉबर्ट वैनॉय और टेड हिल्डेब्रांट

जोसेफ की डेट्स एंड इजिप्ट

पाठ्यक्रम निर्देश

यह पाठ्यक्रम दो भागों वाला पाठ्यक्रम है, इसलिए आइए पाठ्यक्रम को वहीं से शुरू करें जहां हमने छोड़ा था और आगे बढ़ते रहें। उस असाइनमेंट शेड्यूल पर आप देखेंगे कि मैं उसी प्रक्रिया का पालन करूंगा जो हमने पिछली तिमाही में किया था; अर्थात्, प्रत्येक सप्ताह के शुक्रवार को नियत तारीख के साथ पढ़ने का कार्य होता है। प्रत्येक शुक्रवार को उस सामग्री पर एक प्रश्नोत्तरी की संभावना है। ये पुस्तकें शुल्ट्ज़, फाइनगन और शुक्रवार, 15 अप्रैल के लिए एक अन्य पुस्तक हैं: एडविन आर. थीले, ए क्रोनोलॉजी ऑफ़ द हिब्रू किंग्स (ज़ोंडरवन, 1977)।

थिएल ने द मिस्टीरियस नंबर्स ऑफ द हिब्रू किंग्स नामक एक बड़ी मात्रा लिखी , जिसमें उन्होंने उत्तर में राजाओं के शासनकाल की लंबाई और दक्षिण में राजाओं के बीच सिंक्रनाइज़ेशन के उस कालानुक्रमिक मुद्दे का विश्लेषण किया। यह लंबे समय से बाइबिल के कालक्रम में एक समस्या के रूप में पहचाना गया है - आप उन्हें कैसे सिंक्रनाइज़ करते हैं। क्योंकि यदि आप बस किंग्स की किताब लेते हैं और उन्हें जोड़ना शुरू करते हैं, तो बहुत जल्द वे संरेखण से बाहर हो जाएंगे। अमुक ने उत्तर में इतने वर्षों तक शासन किया, और इतने वर्षों तक दक्षिण में, और फिर दक्षिण में अगले व्यक्ति ने एक निश्चित वर्ष में उत्तर में राजा का शासन शुरू किया और उसने इतने वर्षों तक शासन किया। . वे इस तरह से आपस में जुड़े हुए हैं। यह एक समस्या है यदि आप संख्याओं को वैसे ही लेते हैं जैसे वे पाठ में हैं और उस सिंक्रनाइज़ेशन पर काम करने का प्रयास करते हैं।

अब थिएल ने संभवतः अपना अधिकांश जीवन उस समस्या पर काम करते हुए बिताया। वह उन तरीकों के बारे में कुछ विचार लेकर आए, जिनसे प्राचीन दुनिया में, विशेष रूप से इज़राइल में कालक्रम रखा जाता था, और उनमें से कुछ पद्धतियाँ समय-समय पर बदलती रहीं। चीजें जैसे: आप राजा का शासन कब शुरू करते हैं? दूसरे शब्दों में, मान लीजिए कि एक राजा दिसंबर में सिंहासन पर बैठता है (हमारे कैलेंडर का उपयोग करके)। उसके शासन का प्रथम वर्ष कब है? क्या

यह 1987 है या यह 1988 है? क्या आप पहले पूर्ण वर्ष को गिनते हैं, या क्या आप पिछले वर्ष के भाग को उसके शासनकाल के पहले वर्ष के रूप में गिनते हैं? इसे परिग्रहण वर्ष या गैर-परिग्रहण वर्ष कहा जाता है। इससे एक वर्ष का अंतर आ सकता है, यह इस पर निर्भर करता है कि आप उन्हें किस प्रकार गिनते हैं। अन्य चीजें जैसे सह-शासन, जहां एक राजा शासन करेगा और फिर अपने बेटे को अपना शासन शुरू करने के लिए नियुक्त करेगा, और वे कुछ समय तक एक साथ शासन करना जारी रखेंगे; एक ओवरलैप होगा. फिर प्रश्न यह है: आप प्रथम राजा के शासनकाल का अंत कब मानते हैं? कब उसने अपना शासन पूरी तरह समाप्त कर दिया या कब सह- शासन प्रारम्भ हुआ? वे सिर्फ दो समस्याएं हैं. इज़राइल में आप वर्ष की शुरुआत के लिए किस कैलेंडर का उपयोग करते हैं - क्या आप धार्मिक कैलेंडर या नागरिक कैलेंडर का उपयोग करते हैं? अलग-अलग कैलेंडर हैं. ऐसे बहुत सारे कारक थे। उन्होंने कुछ चीजों, सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए विवरण तैयार किया, जो अधिकांश भाग के लिए, सिंक्रनाइज़ेशन की इन समस्याओं को कालानुक्रमिक रूप से हल करते हैं (पूरी तरह से नहीं, लेकिन अधिकांश भाग के लिए)। वह किताब बहुत तकनीकी किताब है, बहुत लंबी किताब है। आपकी असाइनमेंट शीट पर उनके निष्कर्षों का एक लोकप्रिय सारांश है, जो अपेक्षाकृत लोकप्रिय शैली में एक छोटी किताब है। दुर्भाग्य से, यह कुछ साल पहले प्रिंट से बाहर हो गया, जो वास्तव में शर्म की बात है क्योंकि यह उस कालानुक्रमिक समस्या की प्रकृति को समझने के लिए इस तरह के पाठ्यक्रम के उद्देश्य से एक वास्तविक सेवा है।

हालाँकि, मुझे लगता है कि पुस्तकालय में आरक्षित शेल्फ पर इसकी कम से कम एक दर्जन प्रतियां हैं। तो, वहां दिए गए कथन पर ध्यान दें: "पुस्तकालय में कई प्रतियां आरक्षित हैं, आगे की योजना बनाएं।" 15 अप्रैल के सप्ताह के बुधवार तक उस रीडिंग को न छोड़ें। आप वहां आ सकते हैं और पा सकते हैं कि आपको कोई किताब नहीं मिल सकती। पहले से योजना बनाने का प्रयास करें, सभी के लिए पर्याप्त प्रतियां होनी चाहिए।

लेकिन बाकी के लिए, रीडिंग शुल्ट्ज़ में हैं, जहां आप शुल्ट्ज़ पढ़ेंगे और पुराने नियम में संबंधित किताबें भी पढ़ेंगे; 11 मार्च के लिए यहोशू और न्यायाधीश, और फिर न्यायाधीश और शमूएल भी; यह शुल्त्स का अध्याय 6 और 7 है। इसलिए जब आप शुल्ट्ज़ को पढ़ें, तो पुराने नियम के संबंधित अनुभाग को भी अवश्य पढ़ें।

अब, मैंने आज दोपहर को शुक्रवार, 11 मार्च, "मानचित्र अध्ययन" के तहत दिए गए उस कथन को समझाने का भी इरादा किया था। तुम्हें वह कल करना होगा, क्योंकि मैं अपने साथ पर्याप्त चादरें नहीं लाया हूँ। मैं चाहता हूं कि आप इस सप्ताह भी मानचित्र अध्ययन करें। यह कोई विस्तृत बात नहीं है. बात सिर्फ इतनी है कि मैं आपको फ़िलिस्तीन के शहरों, नदियों, कुछ पहाड़ों, प्रमुख भौगोलिक स्थानों की एक सूची दूंगा जिनका सामना आप जोशुआ और जजेज़ में आते ही करेंगे। मैं चाहता हूं कि आप उनका नक्शा तैयार करें ताकि आपको पता चल सके कि ये स्थान कहां हैं, लेकिन मैं आपको वह सूची कल दूंगा। वह नक्शा इस सप्ताह के शुक्रवार को आएगा । साथ ही उस मानचित्र पर जनजातीय सीमाएँ भी होंगी। जब आप यहोशू की पुस्तक के उत्तरार्ध में पहुँचते हैं तो भूमि विभाजित हो जाती है, और प्रत्येक गोत्र को सीमाएँ सौंपी जाती हैं। मैं चाहता हूं कि आप जानें कि यहूदा का गोत्र कहां है, एप्रैम, मनश्शे, इत्यादि। मध्यावधि परीक्षा में मानचित्र प्रश्न होगा । मध्यावधि 8 अप्रैल है। मैं आपसे शुक्रवार को मानचित्र के बारे में पूछताछ नहीं करूंगा, पढ़ने के बारे में पूछताछ किए जाने की संभावना है। मैं यह नहीं कह रहा कि ऐसा होगा लेकिन यह एक संभावना है। मध्यावधि परीक्षा में मेरे पास एक मानचित्र प्रश्न होगा। मैं स्क्रीन पर अक्षरों और संख्याओं के साथ एक नक्शा रखूंगा और आपको नाम दूंगा और आपको उन्हें अक्षरों और संख्याओं के साथ मिलाना होगा। और यह विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों पर लागू होगा, मैं चाहता हूं कि आप जानें कि जनजातियां कहां हैं। ठीक है?

एक और बात: अतिरिक्त श्रेय. आप निम्नलिखित पुस्तकों में से एक या अधिक पढ़कर पाठ्यक्रम के लिए अतिरिक्त क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं, आपका अंतिम ग्रेड शीर्षक के बाद इंगित राशि से बढ़ाया जाएगा, किसी को भी अतिरिक्त क्रेडिट के ग्रेड बिंदु के 4/10 वें से अधिक प्राप्त नहीं हो सकता है। मेरे पास वहां चार पुस्तकें सूचीबद्ध हैं, जिनमें से तीन वाल्टर कैसर की हैं। पहली पुस्तक जे. बार्टन पायने की है, ग्रेड प्वाइंट के 4/10वें हिस्से के लिए पुराने टेस्टामेंट का धर्मशास्त्र , यह एक बड़ी किताब है। यह पुराने नियम के धर्मशास्त्र पर एक पुस्तक है। कैसर की कोई भी किताब एक ग्रेड प्वाइंट के 2/10वें हिस्से के लिए है, इसलिए आप या तो चार के लिए पेने पढ़ सकते हैं या आप चार के लिए कैसर की दो पढ़ सकते हैं या अतिरिक्त क्रेडिट के लिए एक ग्रेड प्वाइंट के 2/10वें के लिए कैसर में से एक पढ़ सकते हैं। अब वह अतिरिक्त क्रेडिट आपके अंतिम ग्रेड पर है।

दूसरे शब्दों में, तिमाही के अंत में आपका औसत जो भी निकले, आपने वह कर लिया है, और आपने देखा है कि इस क्रेडिट को प्राप्त करने के लिए आपको मुझे एक लिखित बयान देना होगा कि आपने पूरी किताब ध्यान से पढ़ी है। मैं यही पूछता हूं. हालाँकि, इस पर एक समय सीमा है, जो सेमेस्टर के अंत से पहले है - यह 29 अप्रैल है, इस पर ध्यान दें। दूसरे शब्दों में, मैं नहीं चाहता कि आप अतिरिक्त क्रेडिट रीडिंग प्राप्त करने की कोशिश में सेमेस्टर के अंतिम या दो सप्ताह अपनी पढ़ाई में खर्च करें। मैं चाहूंगा कि आप अपने पाठ्यक्रमों पर समय लगाएं। लेकिन यदि आप 29 अप्रैल तक ऐसा करते हैं तो मैं आपको इसका श्रेय दूंगा। आप मुझे यह बयान दें कि आपने पूरी किताब पढ़ ली है और आपने इसे ध्यान से पढ़ा है; बस पन्ने मत पलटें और इसे सरसरी तौर पर न पलटें - इसे पढ़ें!

यह चार सूत्री प्रणाली है. उदाहरण के लिए, यदि तिमाही के अंत में आपका औसत 2.64 था। यदि उन्हें ग्रेड प्वाइंट का 4/10वां हिस्सा मिलता है तो उनके पास 3.04 होगा। जो उन्हें C+ से B तक बढ़ा देगा या शायद यह B- हो जाएगा। 3.04, यह बी होगा- फिर यह उन्हें बढ़ा देगा। बेशक, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप पैमाने पर कहां आते हैं, लेकिन आम तौर पर इससे प्लस या माइनस का फर्क पड़ेगा।

जी. जोसेफ का जीवन...

4. मुक्तिदायक इतिहास के संदर्भ में इन घटनाओं का महत्व a. जोसेफ अस्थायी रूप से प्रमुख बन गए, हालांकि यहूदा वादा किए गए वंश की पंक्ति है

यदि आपको अपने कक्षा व्याख्यान की रूपरेखा मिलती है जिसे हमने पिछली तिमाही में उपयोग किया था, तो हम चर्चा कर रहे थे जब तिमाही समाप्त हो गई, "जोसेफ का जीवन," जो पृष्ठ पर जी है 4. हम चर्चा कर रहे थे, "जोसेफ का जीवन," जो पेज 4 पर जी है, और हम 3 पर आ गए । जी के अंतर्गत: "मुक्तिकारी इतिहास के संदर्भ में इन घटनाओं का महत्व।" मैंने उस शीर्षक के तहत एक बात का उल्लेख किया था और वह यह थी कि उत्पत्ति 37 के इस खंड में अंत तक, जोसेफ अस्थायी रूप से प्रमुख हो जाता है, हालांकि यहूदा वादा किए गए वंश की वंशावली है। और हमने अपने ब्रेक से पहले पिछले सप्ताह के अंत में इसी पर चर्चा की थी। इसलिए मैं उस बिंदु पर उठाना चाहता हूं।

बी। इज़राइल के बच्चे एकजुट हुए और मिस्र लाए गए

यह बी होगा फिर 3 के अंतर्गत। हम "मुक्ति इतिहास के संदर्भ में इन घटनाओं के महत्व" पर चर्चा कर रहे हैं। बी.) "इज़राइल के बच्चों को एकजुट किया जाता है और मिस्र लाया जाता है, जहां गोशेन के अलगाव में वे एक राष्ट्र बन जाते हैं।" यूसुफ के माध्यम से, याकूब का घर पुनः स्थापित हुआ, और उस घर में एकता पुनः स्थापित हुई। उत्पत्ति के उत्तरार्ध में कुछ कथन हैं, जब यूसुफ ने खुद को अपने भाइयों के सामने प्रकट किया था, और वे जानते थे कि यह आदमी, जिसे उन्होंने मिस्र में बेच दिया था, अब शक्तिशाली है , एक शासक है और निश्चित रूप से बदला ले सकता है . वह ऐसा नहीं करता. यदि आप उत्पत्ति 45, श्लोक 4 को देखें। उसके यह बताने के बाद कि वह कौन है, यूसुफ कहता है, "'मेरे करीब आओ,' जब उन्होंने ऐसा किया तो उसने कहा, 'मैं तुम्हारा भाई यूसुफ हूं, जिसे तुमने बेच दिया है मिस्र में. और अब परेशान न हो, और मुझे यहां बेचने के लिये अपने आप पर क्रोध न करो। क्योंकि परमेश्वर ने प्राणोंकी रक्षा के लिये ही मुझे तुम से आगे भेजा है। अब दो वर्ष से देश में अकाल पड़ा है, और अगले पाँच वर्ष तक न जुताई होगी और न कटाई। परन्तु परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे इसलिये भेजा, कि तुम्हारे लिये पृथ्वी पर कुछ बचे रहें, और बड़े उद्धार के द्वारा तुम्हारे प्राणों को बचाऊं। तो फिर यह आप नहीं थे, जिन्होंने मुझे यहां भेजा, बल्कि भगवान ने।" दूसरे शब्दों में, जोसेफ का वह रवैया मानवीय दृष्टिकोण से वास्तव में उल्लेखनीय है। वह कोई बदला नहीं लेना चाहता, बल्कि वह रवैया अपनाकर याकूब के घर में एकता बहाल करता है। अब निःसंदेह वह कथन ठीक उसी समय दिया गया था जब उसने स्वयं को अपने भाइयों के सामने प्रकट किया था। याकूब अभी तक मिस्र में नहीं आया था।

जैकब और परिवार मिस्र चले गए

निःसंदेह, बाद में भाई घर चले जाते हैं, और जैकब नीचे आ जाता है। और उसका सारा परिवार मिस्र में है, और याकूब मिस्र में मर गया। भाई अभी भी निश्चित नहीं थे कि यूसुफ उनके साथ क्या करने वाला है। क्या वह जैकब के मरने तक इंतजार करेगा और फिर अपना बदला लेगा? तो आप याकूब की मृत्यु के बाद अध्याय 50 में श्लोक 15 पाते हैं, "जब यूसुफ के भाइयों ने देखा कि

उनके पिता मर गए हैं तो उन्होंने कहा, 'क्या होगा यदि यूसुफ हमारे प्रति द्वेष रखता है और हमारे द्वारा उसके साथ किए गए सभी अपराधों के लिए हमें भुगतान करता है? ' इसलिए उन्होंने यूसुफ को यह कहते हुए संदेश भेजा कि 'तुम्हारे पिता ने मरने से पहले ये निर्देश छोड़ दिए थे, तुम्हें यूसुफ से यही कहना है, 'मैंने तुमसे अपने भाइयों के पापों और पिछले मामलों में उनके द्वारा की गई गलतियों को माफ करने के लिए कहा था। अब कृपया अपने पिता के परमेश्वर के सेवकों के पाप क्षमा करें।' जब उनका सन्देश यूसुफ के पास पहुँचा, तो वह रोने लगा। तब उसके भाई आए और उसके सामने गिर पड़े, 'हम आपके दास हैं!' उन्होंने कहा। परन्तु यूसुफ ने उन से कहा, मत डरो। क्या मैं भगवान की जगह पर हूँ? आपने मुझे नुकसान पहुंचाने का इरादा किया था, लेकिन भगवान ने जो किया है उसे पूरा करना भलाई के लिए चाहता था - कई लोगों की जान बचाना। तो फिर डरो मत, मैं तुम्हारा और तुम्हारे बच्चों का भरण-पोषण करूंगा।" तो, उस दृष्टिकोण के साथ, परिवार एकजुट है। ऐसा लगता है कि भाइयों ने यूसुफ के प्रति अपने अपराध पर पश्चाताप किया और यूसुफ ने उन्हें माफ कर दिया।

राहेल और यहूदा के पुत्र बिन्यामीन पर राहेल के दूसरे पुत्र बिन्यामीन के साथ उनके रिश्ते में ईर्ष्या दूर होती दिख रही है। याद रखें, यूसुफ अपने पिता का सबसे पसंदीदा बेटा था और भाइयों को इस बात से नाराजगी थी। परन्तु, इस स्थिति में, भाई बिन्यामीन के लिए बहुत चिंतित थे, जो राहेल का दूसरा पुत्र था। आपको जैकब के परिवार के भीतर लिआ/राचेल तनाव मिलता है। ऐसा लगता है कि यह इस समय भी जारी है। लेकिन इस स्थिति में वे बेंजामिन के प्रति बहुत सुरक्षात्मक हैं; जब बिन्यामीन को मिस्र
में लाना पड़ा तो वे बहुत परेशान हुए । तुम्हें स्मरण है कि यहूदा ने अपने आप को बिन्यामीन के लिये जमानतदार के रूप में प्रस्तुत किया। उसमें वह उन सभी के लिए बोलते नजर आते हैं। लेकिन उत्पत्ति 43:3 में, जब वे वहां से अपनी पहली यात्रा से वापस आए थे, और उनसे कहा गया था, "जब तक तुम बिन्यामीन को अपने साथ न लाओ, तब तक वापस आकर और भोजन की खोज में न आना।" याकूब बिन्यामीन को जाने नहीं देना चाहता था क्योंकि वह पहले ही यूसुफ को खो चुका था, और वह बिन्यामीन को भी नहीं खोना चाहता था। तो आप उत्पत्ति 43:3 में पढ़ते हैं "यहूदा

ने उससे कहा, 'उस आदमी ने हमें गंभीरता से चेतावनी दी, 'जब तक तुम्हारा भाई तुम्हारे साथ न हो, तुम मुझसे दोबारा मिलने न पाओगे!' यदि तू हमारे भाई को साथ भेजे, तो हम जाकर तेरे लिये भोजन मोल लेंगे, परन्तु यदि तू उसे न भेजेगा, तो हम न उतरेंगे, क्योंकि उस पुरूष ने कहा, जब तक तेरा भाई तेरे संग न आए, तब तक तू मेरा मुंह न देखने पाएगा। " फिर पद 8 और 9 में यहूदा ने अपने पिता इस्राएल से कहा, लड़के को मेरे संग भेज, और हम तुरन्त चलेंगे, कि हम, तू, और हमारे बच्चे जीवित रहें और मरें नहीं। मैं खुद उसकी सुरक्षा की गारंटी लूंगा. आप उसके लिए मुझे व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहरा सकते हैं. यदि मैं उसे तुम्हारे पास वापस न लाऊं और उसे यहां तुम्हारे साम्हने न रखूं, तो मैं जीवन भर तुम्हारे सामने दोष उठाता रहूंगा।" तो, यहूदा इस तरह से खुद को बिन्यामीन के लिए ज़मानत के रूप में पेश करता है, और घर में एकता है बहाल. तो हर कोई कुछ न कुछ योगदान देता है, आप कह सकते हैं। जोसेफ ने कुछ योगदान दिया, यहूदा ने कुछ योगदान दिया, जैकब ने कुछ योगदान दिया ताकि राष्ट्र के पूर्वजों को संरक्षित किया जाए और उन्हें मिस्र लाया जाए जहां वे एक राष्ट्र बन गए।

अब, इस पूरे खंड का चरमोत्कर्ष उत्पत्ति 44:18-33 में है, मुझे लगता है कि मैं इसे पढ़ूंगा। यह तब हुआ जब वे बिन्यामीन को लेकर मिस्र वापस चले गए, अपना भोजन प्राप्त किया, और चले गए, और यूसुफ ने उस चाँदी के कटोरे को बिन्यामीन के बोरे में रख दिया और तब उनके पीछा करनेवालों को पता चला कि वह चाँदी का कटोरा बिन्यामीन के बोरे में है। और फिर उसे कैदी के रूप में वापस ले जाया जाता है। अध्याय 44 के श्लोक 18 में, आपने पढ़ा, “यहूदा उसके पास गया और कहा: 'हे मेरे प्रभु, कृपया अपने दास को मेरे प्रभु से एक बात कहने दे। अपने दास पर क्रोध न करना, यद्यपि तू स्वयं फिरौन के तुल्य है। मेरे स्वामी ने अपने सेवकों से पूछा, "क्या तुम्हारे पिता या भाई हैं?" और हमने उत्तर दिया, “हमारा एक बूढ़ा पिता है, और उसके बुढ़ापे में एक जवान बेटा पैदा हुआ है। उसका भाई मर चुका है, और वह अपनी माँ के बेटों में से एकमात्र बचा है, और उसका पिता उससे प्यार करता है।” तब तू ने अपने सेवकों से कहा, उसे मेरे पास ले आओ ताकि मैं उसे स्वयं देख सकूं। और हमने अपने प्रभु से कहा, “लड़का अपने पिता को नहीं छोड़ सकता; यदि वह उसे छोड़ दे, तो उसका पिता मर जाएगा।” परन्तु तू ने अपके दासोंसे कहा, जब तक तेरा छोटा भाई तेरे संग न आए, तब तक तू मेरा मुंह फिर न देखेगा। जब हम अपने पिता तेरे दास के पास लौट

आए, तब हम ने जो कुछ मेरे प्रभु ने कहा या, वह सब उस से कहा। तब हमारे पिता ने कहा, "वापस जाओ और थोड़ा और भोजन खरीदो।" लेकिन हमने कहा, “हम नीचे नहीं जा सकते। अगर हमारा सबसे छोटा भाई हमारे साथ होगा तभी हम जायेंगे। जब तक हमारा सबसे छोटा भाई हमारे साथ न हो हम उस आदमी का चेहरा नहीं देख सकते।” आपके सेवक, मेरे पिता, ने हम से कहा, “तुम जानते हो कि मेरी पत्नी से मेरे दो पुत्र उत्पन्न हुए। उनमें से एक मेरे पास से चला गया, और मैंने कहा, “वह निश्चय टुकड़े-टुकड़े हो गया है, और तब से मैं ने उसे नहीं देखा। यदि तू इसे भी मुझ से ले ले, और उस पर विपत्ति आए, तो तू मेरे पके हुए सिर को दुःख में अधोलोक में पहुंचा देगा।” इसलिए अब, जब मैं आपके सेवक, मेरे पिता के पास वापस जाऊंगा, तो लड़का हमारे साथ नहीं है, और यदि मेरे पिता, जिनका जीवन लड़के के जीवन के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, देखते हैं कि लड़का वहां नहीं है, तो वह मर जाएंगे। तेरे सेवक हमारे पिता के भूरे सिर को दुःख के कारण कब्र में पहुंचा देंगे। आपके नौकर ने मेरे पिता को लड़के की सुरक्षा की गारंटी दी। मैंने कहा, "यदि मैं उसे तुम्हारे पास वापस नहीं लाऊंगा, तो मैं जीवन भर तुम्हारे सामने दोष सहन करूंगा, मेरे पिता!" इसलिये अब अपने दास को लड़के के स्थान पर मेरे स्वामी का दास होकर यहीं रहने दे, और वह लड़का अपने भाइयों के संग लौट जाए। अगर लड़का मेरे साथ नहीं है तो मैं अपने पिता के पास वापस कैसे जा सकती हूं? नहीं! मुझे मेरे पिता पर आने वाले दुख को देखने न दें।" यह एक बहुत ही नाटकीय तस्वीर है, जहां यहूदा खुद को प्रस्तुत करता है और बिन्यामीन के स्थान पर खुद को रखे जाने की विनती करता है, ताकि बिन्यामीन को वहां न रखा जाए।

जोसेफ नैरेटिव्स पर ऑल्टर का दृष्टिकोण

इस पुस्तक में, मुझे लगता है कि मैंने पाठ्यक्रम के आरंभ में ही रॉबर्ट ऑल्टर की द आर्ट ऑफ बाइबिलिकल नैरेटिव का उल्लेख किया था। ऑल्टर पुराने नियम की कथा के विश्लेषण के इस नए तथाकथित साहित्यिक दृष्टिकोण के समर्थकों में से एक हैं। इस पुस्तक के कुछ पहलू अच्छे हैं, कुछ बुरे हैं। लेकिन, इस परिच्छेद के संबंध में, उन्होंने कुछ दिलचस्प टिप्पणियाँ कीं जिन्हें मैंने सोचा कि मैं आपको पढ़ूंगा। वह कहते हैं, "जो कुछ हमने देखा है, उसके प्रकाश में, जोसेफ की कहानी के बारे में..." - यह ऑल्टर की द आर्ट ऑफ बाइबिलिकल नैरेटिव के पृष्ठ *174* पर है, "हमने

जो कुछ देखा है, उसके प्रकाश में, जोसेफ की कहानी के बारे में जोसेफ और उनके भाइयों के लिए, यह स्पष्ट होना चाहिए कि यह उल्लेखनीय भाषण नैतिक और मनोवैज्ञानिक रूप से, भाई द्वारा पैतृक और संतान संबंधी बंधनों के पहले उल्लंघन को बिंदु-दर-बिंदु नष्ट करने वाला है। मानवीय संबंधों और ईश्वर और मनुष्य के बीच संबंधों के बारे में एक बुनियादी बाइबिल धारणा यह है कि प्रेम अप्रत्याशित, मनमाना, कभी-कभी, शायद अन्यायपूर्ण प्रतीत होता है, और यहूदा अब अपने सभी परिणामों के साथ उस तथ्य को स्वीकार कर रहा है। वह जोसेफ से स्पष्ट रूप से कहता है कि उसके पिता ने बेंजामिन को एक विशेष प्यार दिया है, जैसा कि उसने पहले राहेल के दूसरे बेटे को दिया था। यह पक्षपात की एक दर्दनाक वास्तविकता है जिसके साथ यहूदा, जोसेफ के प्रति पहले की ईर्ष्या के विपरीत, यहां सामंजस्य स्थापित कर रहा है। पुत्रवत् कर्तव्य से और उससे भी अधिक पुत्रवत् प्रेम से। उनका पूरा भाषण उनके पिता के प्रति गहरी सहानुभूति से प्रेरित है, इस वास्तविक समझ से कि बूढ़े व्यक्ति के जीवन का अपने बेटे के साथ बंधे होने का क्या मतलब है। यहां तक कि वह खुद को सहानुभूतिपूर्वक श्लोक 27, जैकब के असाधारण बयानों को उद्धृत करने के लिए भी ला सकता है कि उसकी पत्नी ने उसे दो बेटों को जन्म दिया। [अब देखिए, "आप जानते हैं, मेरी पत्नी से मुझे दो बेटे पैदा हुए।" याकूब कहता है।] मानो लिआ भी उसकी पत्नी नहीं थी, और बाकी दस भी उसके बेटे नहीं थे! बाईस साल पहले यहूदा ने यूसुफ को गुलामी में बेचने की योजना बनाई थी, अब वह खुद को गुलाम के रूप में पेश करने के लिए तैयार है ताकि राहेल के दूसरे बेटे को आज़ाद किया जा सके। बाईस साल पहले वह अपने भाइयों के साथ खड़ा था और चुपचाप देख रहा था जब खून से सना हुआ अंगरखा जो वे जैकब के लिए लाए थे, उसने उसके पिता को पीड़ा के गड्ढे में डाल दिया था। अब वह कुछ भी करने को तैयार है ताकि उसे दोबारा अपने पिता को इस तरह पीड़ित न देखना पड़े। तो, आपको पहले वाली स्थिति उलट मिल जाएगी।"

तो, मुझे लगता है कि हम जो देखते हैं, जहां तक इन आख्यानों के आंदोलन में एक मुक्तिदायक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य है, वह यह है कि इज़राइल के बच्चों को एकजुट किया गया है, मिस्र में लाया गया है, जहां गोशेन के अलगाव में हम वास्तव में नहीं जानते हैं, जैसा कि जहाँ तक मैं बता सकता हूँ, याकूब के मिस्र में आने से पहले यूसुफ कितने समय तक मिस्र में था। हम जानते हैं कि सात वर्ष अकाल, सात दुबले वर्ष, और सात मोटे वर्ष थे। आप कह सकते हैं कि जब अकाल

पड़ा था तो 14 वर्ष रहे होंगे, लेकिन हम नहीं जानते कि वह कितने समय तक जेल में था। वह कुछ वर्षों तक जेल में रहा। जेल जाने से पहले वह कितने समय तक वहां था? हम ठीक से नहीं जानते. क्या यह कहता है कि जब वह वहां गया तो वह 17 वर्ष का था? मुझे लगता है कि जैकब को यूसुफ के साथ फिर से जुड़ने के लिए मिस्र आने में लगभग 20 साल लगना एक उचित अनुमान है।

4. यूसुफ ने मिस्र में कब प्रवेश किया? फिरौन अनाम

ठीक है, संख्या 4 है: "जोसेफ ने मिस्र में कब प्रवेश किया?" निःसंदेह, यह उस प्रश्न से संबंधित है जिसे हम शीघ्र ही देखेंगे, और वह निर्गमन की तिथि है, लेकिन इस बिंदु पर यह अपने आप में एक प्रश्न है। जब आप अध्याय 39, श्लोक 1 में पढ़ते हैं, “अब यूसुफ को मिस्र ले जाया गया था। मिस्री पोतीपर ने, जो फिरौन के हाकिमों में से एक, और जल्लादों का प्रधान था, उसे इश्माएलियों के हाथ से मोल ले लिया, जो उसे वहां ले गए थे।” समस्या यह है कि यह हमें फिरौन का नाम नहीं बताता। देखिए, उत्पत्ति 39:1 में बस यही कहा गया है, "पोतीपर, एक मिस्री जो फिरौन के अधिकारियों में से एक था।" और यह न केवल यहां उत्पत्ति की विशेषता है, बल्कि निर्गमन के शुरुआती अध्यायों की भी विशेषता है। जब मिस्र के शासक के बारे में बात की जाती है, तो उसे केवल "फिरौन" शीर्षक से संदर्भित किया जाता है और कोई नाम नहीं दिया जाता है। यही कारण है कि इसे सीधे मिस्र के इतिहास से जोड़ना बहुत मुश्किल है, जो तब हमें एक तारीख, एक निश्चित तारीख देगा। फिरौन कौन था?

इब्राहीम और जोसेफ के मिस्र आने की डेटिंग

खैर, हम वास्तव में नहीं जानते। यदि हम इसकी बाइबिल कालानुक्रमिक तिथि के साथ काम करते हैं, तो यह कुछ हद तक जटिल हो जाती है, लेकिन कुलपतियों से संबंधित हमारी चर्चा के संबंध में, हम वास्तव में इसमें से अधिकांश पर गौर कर चुके हैं। याद रखें, हमने कहा था कि कुलपतियों का कालनिर्धारण दो चरों पर आधारित है। और दो चर निर्गमन और निर्गमन 12:40 की तारीख हैं, चाहे आप मैसोरेटिक पाठ लें या सेप्टुआजिंट पाठ, जिसका अर्थ है कि इज़राइल मिस्र में 430 वर्ष या मिस्र में 215 वर्ष था? लेकिन पितृसत्तात्मक सामग्रियों का सारांश इस पर निर्भर करता है कि 1.) निर्गमन की तारीख 1446 या 1290 ईसा पूर्व है और 2.) क्या कोई निर्गमन 12:40 में

मैसोरेटिक पाठ या सेप्टुआजेंट का पालन करता है। क्या इब्राहीम ने निर्गमन से 430 साल पहले या निर्गमन से 645 साल पहले कनान में प्रवेश किया था? पितृसत्तात्मक काल के लिए संभावनाएं हैं, निर्गमन और मैसोरेटिक पाठ की शुरुआती तारीखें, फिर इब्राहीम के जन्म के लिए 2091 ईसा पूर्व, या इब्राहीम के जन्म के लिए निर्गमन और मैसोरेटिक पाठ 1935 ईसा पूर्व की अंतिम तारीखें। अब, यदि आप उन आंकड़ों को लेते हैं, 2091 और 1935, जो मुझे लगता है कि सबसे अधिक संभावित दो आंकड़े हैं, तो यह निर्गमन 12:40 में मैसोरेटिक पाठ को मान रहा है, और यह निर्गमन के लिए या तो पहले या देर की तारीख मान रहा है।

इसलिए, यदि आप 2091 ईसा पूर्व का आंकड़ा या 1290 का आंकड़ा लेते हैं, तो आप इस तरह से काम करते हैं। यूसुफ ने मिस्र में कब प्रवेश किया? यदि आप 2091 ईसा पूर्व की तारीख लेते हैं, तो इसका मतलब होगा कि 2166 ईसा पूर्व इब्राहीम के जन्म की तारीख है। इसका कारण यह है कि इब्राहीम 75 वर्ष का था जब वह कनान में आया। फिर आप 160 वर्ष मान लीजिए कि इब्राहीम के बाद याकूब का जन्म हुआ। हमने पहले इस पर गौर किया है, आपको अब्राहम, इसहाक और जैकब की उम्र का पता लगाना होगा, जो आप कर सकते हैं। आप पाते हैं कि जैकब का जन्म इब्राहीम के 160 वर्ष बाद हुआ था। याकूब 130 वर्ष का था जब वह मिस्र आया। हम इसे उत्पत्ति 47:9 में पाते हैं। जहाँ आपने पढ़ा, "याकूब ने फिरौन से कहा, 'मेरी तीर्थयात्रा के वर्ष 130 हैं। मेरे वर्ष कम और कठिन रहे हैं...'" इत्यादि। यदि आप मानते हैं कि यूसुफ लगभग 20 वर्षों से मिस्र में था, तो आप उसमें से 20 घटा देते हैं, आपको 270 का आंकड़ा मिलता है, जब आप 2166 ईसा पूर्व से 270 घटाते हैं, तो आपको 1896 ईसा पूर्व मिलेगा जो आगमन का वर्ष होगा। मिस्र में यूसुफ की. तो, इस अज्ञात अवधि के आधार पर कि यूसुफ मिस्र में कितने समय तक रहा था, कुछ वर्ष प्लस या माइनस हो सकते हैं। लेकिन लगभग 1896 ईसा पूर्व, निर्गमन की प्रारंभिक तिथि के दृश्य पर आधारित है क्योंकि यह आंकड़ा निर्गमन के लिए पहले की प्रारंभिक तिथि मान रहा है।

अब, यदि आप निर्गमन की देर की तारीख मानते हैं और उस 1935 ईसा पूर्व के आंकड़े के साथ काम करते हैं, तो आप वही काम करते हैं। आप 160 लें, 130 घटा 20, वह 270 है; और आप 2010 ईसा पूर्व से 270 घटा दें, तो आपको मिस्र में जोसेफ के आगमन का वर्ष 1740 ईसा पूर्व मिलता है। तो ये वास्तव में कुलपतियों की जीवन अवधि के बाइबिल डेटा के साथ काम करने की

आपकी दो संभावनाएँ हैं।

जोसेफ के मिस्र आने की तारीख और हिक्सोस के आगमन की तारीख

ठीक है, उन दो तारीखों के निहितार्थ क्या हैं? 1896 ईसा पूर्व बनाम 1740 ईसा पूर्व? यदि आप शुरुआती तारीख, 1896 की तारीख लेते हैं, तो वह यूसुफ को मिस्र के 12वें राजवंश की अवधि में रखेगी, जो मूल मिस्र राजवंश था। 12वें राजवंश ने 1991 से 1786 ईसा पूर्व तक शासन किया, यदि आप बाद की तारीख 1740 ईसा पूर्व लेते हैं, तो वह जोसेफ को हिक्सोस के समय में रखेगा। देखिए इसीलिए इस सवाल में कुछ दिलचस्पी है. हिक्सोस वे विदेशी शासक थे, जिन्होंने मिस्र में आकर कुछ समय के लिए उस पर कब्ज़ा कर लिया। आम तौर पर इसकी तिथि 1750 से 1570 ईसा पूर्व के आसपास है, हालांकि ठोस ऐतिहासिक डेटा की कमी के कारण हिक्सोस काल की सटीक तारीखें कुछ हद तक अस्पष्ट हैं। लेकिन आम तौर पर उन्हें 1750 से 1570 ईसा पूर्व रखा जाता है, इसलिए आप देखेंगे कि 1740 ईसा पूर्व हिक्सोस के सत्ता में आने के तुरंत बाद होगा। अगर वह तारीख सही है.

अब, यह विचार कि इज़राइल, या बल्कि जैकब और उसका परिवार, जोसेफ, हिक्सोस के समय में मिस्र आए थे, एक बहुत पुराना विचार है। जोसेफस का कहना है कि जब जोसेफ फिरौन के दरबार में प्रधान मंत्री बने तो हिक्सोस राजवंश मिस्र पर शासन कर रहा था। यह जोसीफस में पाया जाता है, ऐसा नहीं है कि यह बहुत अच्छा अधिकार है क्योंकि उसी संदर्भ में जहां जोसीफस कहता है कि वह फिर इस्राएलियों के साथ हिक्सोस की पहचान करता है। उनका मानना है कि हक्सोस के निष्कासन को निर्गमन के साथ पहचाना जाना चाहिए। यह निश्चित रूप से ऐतिहासिक रूप से सटीक नहीं है। लेकिन जब जोसेफस हिक्सोस के समय मिस्र में जोसेफ के आने के बारे में बोलता है तो उसकी रुचि यहूदियों की प्राचीनता को स्थापित करने में होती है, और वह उस तरह के ऐतिहासिक तर्क का उपयोग करता है।

अब हिक्सोस के बारे में हम जो जानते हैं वह बहुत कुछ नहीं है। वे एशियाई आक्रमणकारी थे जो लगभग 1750 ईसा पूर्व सत्ता में आए थे, हालांकि सटीक समय स्पष्ट नहीं है, लेकिन लगभग 1750 ईसा पूर्व उन्होंने कुछ शताब्दियों तक शासन किया था। मिस्र के इतिहासकार मनेथो, जिनके

बारे में हमने फाइनगन में पढ़ा है, लगभग 250 ईसा पूर्व के इतिहासकार थे। वह "हिक्सोस" नाम का अर्थ "चरवाहा राजा" बताते हैं। आपने संभवतः यह पहले सुना होगा; हिक्सोस "चरवाहा राजा" थे। मनेथो को लगा कि "हिक्सोस" शब्द का अर्थ "चरवाहा राजा" है। हालाँकि, "हिक्सोस" नाम के उस शब्द की व्युत्पत्ति पर बहुत बहस हुई है। आज अधिकांश विद्वान "चरवाहा राजा" शब्द के अर्थ की मनेथो की व्याख्या को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। अधिकांश विद्वान आज सोचते हैं कि इस शब्द का अर्थ "विदेशी शासक" या "विदेशी भूमि के शासक" है। लेकिन किसी भी मामले में, आपके पास ये हक्सोस थे जिन्होंने उस विशेष अवधि में मिस्र में शासन किया था। यह हमेशा कुछ दिलचस्पी का सवाल रहा है कि क्या जोसेफ हिक्सोस शासन के शुरुआती दिनों के दौरान सत्ता में आए थे, या क्या वह उससे पहले एक मूल मिस्र राजवंश के तहत सत्ता में आए थे। यदि आप निर्गमन की पिछली तारीख लेते हैं, तो आप हिक्सोस से पहले की तारीख चुनेंगे।

निचला मिस्र डेल्टा क्षेत्र में है। ऊपरी मिस्र नील नदी का ऊपरी क्षेत्र है, जो मानचित्र पर नीचे की ओर है; यह उलट है। यह ज्ञात है कि हिक्सोस का केंद्र, उनकी राजधानी, डेल्टा क्षेत्र में थी। तो, फिर से, यह फिट बैठता है। जोसेफ को हिक्सोस के साथ जोड़ना तर्क की पंक्तियों में से एक है , क्योंकि हिक्सोस डेल्टा में केंद्रित थे। मिस्र के महान शासकों की राजधानियाँ दक्षिण में थीं।

मिस्र में हिक्सोस शासनकाल के दौरान जोसेफ के आने के पक्ष में तर्क

बेशक, जोसेफ हिक्सोस के साथ आया था या हिक्सोस से पहले आया था, इसका निर्गमन की घटनाओं और निर्गमन से जुड़े उत्पीड़न पर कुछ प्रभाव पड़ता है। यह एक बहस का मुद्दा है. कालानुक्रमिक सामग्री के अलावा, एक स्थिति या दूसरे का समर्थन करने के लिए जिस प्रकार के तर्कों का उपयोग किया जा रहा है, वे निर्णायक नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि आप वास्तव में इसका निपटारा कर सकते हैं। आइए मैं आपको तर्कों के प्रकारों के बारे में कुछ जानकारी देता हूँ।

जो लोग हिक्सोस शासन के दौरान जोसेफ के सत्ता में आने का समर्थन करते हैं, वह देर से तारीख होगी, निम्नलिखित कुछ तर्क देते हैं: उत्पत्ति 47:17 में, आपके पास घोड़ों का संदर्भ है। आपने वहां पढ़ा, "वे अपने पशुओं को यूसुफ के पास ले आए, और उस ने उनके घोड़ों, भेड़-बकरियों, गाय-बैलों, और गधों के बदले में उन्हें भोजन दिया।" अब, यह आम तौर पर माना जाता है

कि हिक्सोस मिस्र में घोड़ों का आयात करने वाले पहले व्यक्ति थे - कि हिक्सोस से पहले मिस्र में घोड़े नहीं थे। तो तर्क यह है; यहाँ घोड़ों का उल्लेख किया गया है, यह हिक्सोस के समय का होना चाहिए।

एक अन्य तर्क यह है कि निर्गमन 1:8 कहता है, और यह तर्क दोनों तरीकों से कटौती करता है, जैसा कि आप बाद में देखेंगे। निर्गमन 1:8 कहता है, “तब मिस्र में एक नया राजा सत्ता में आया, जो यूसुफ के बारे में नहीं जानता था। 'देखो,' उसने अपने लोगों से कहा, 'इस्राएली हमारे लिए बहुत अधिक संख्या में हो गए हैं" इत्यादि। "नया राजा जो यूसुफ को नहीं जानता था।" ऐसा कहा जाता है कि उस कथन को सबसे अच्छी तरह से मिस्र के एक मूल शासक के रूप में समझाया गया है जो हिक्सोस के निष्कासन के बाद सत्ता में आया था। इसके संबंध में, ऐसा कहा जाता है कि यह जोसेफ और उनके काम के बारे में मिस्र के स्रोतों की चुप्पी को समझा सकता है जब वह मिस्र में इतनी प्रमुखता तक पहुंचे थे। मिस्र के किसी भी अभिलेख में इसका कोई निशान नहीं है। फिर धारणा यह है कि वह हिक्सोस के तहत सत्ता में आया, जब मूल मिस्रवासी वापस आए, तो उन्होंने हिक्सोस काल के इतिहास को मिटा दिया। हम हिक्सोस काल के बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानते क्योंकि मिस्रवासियों ने इसके सभी निशान नष्ट कर दिए थे।

तर्क की तीसरी पंक्ति वह है जिसका मैंने अभी एक मिनट पहले उल्लेख किया था; ऐसा प्रतीत होता है कि यूसुफ के समय में फिरौन का निवास स्थान गोशेन की भूमि के निकट नील डेल्टा क्षेत्र में था। और यहीं पर जोसेफ अपने परिवार - अपने पिता और भाइयों के साथ बस गया था। हिक्सोस की अपनी राजधानी थी और वे डेल्टा क्षेत्र से अपना शासन चलाते थे। तो यह तर्क की एक पंक्ति है।

चौथा, ऐसा कहा जाता है कि इस बात की अधिक संभावना है कि हिक्सोस शासन के तहत जोसफ जैसे यहूदी व्यक्ति के लिए वह उच्च पद हासिल करना संभव होगा जो उसने किया था। दूसरे शब्दों में, वह एक विदेशी था, वह मिस्र का नहीं था। जब मिस्र में देशी मिस्र का शासन था, तब की तुलना में जब मिस्र में विदेशी शासन था, तब जोसेफ जैसे किसी व्यक्ति के लिए उस प्रमुख पद पर पहुंचने की अधिक संभावना होगी।

फिर उत्पत्ति 39:1 में जहाँ आप पढ़ते हैं, "यूसुफ़ को मिस्री पोतीपर, जो फिरौन के हाकिमों

में से एक था, मिस्र ले गया था, और जल्लादों के प्रधान ने उसे इश्माएलियों से मोल ले लिया जो उसे वहाँ ले गए थे।" यह कहता है, “पोतीपर एक मिस्री।” मुद्दा यह है कि पोतीफर के मिस्र होने की वह योग्यता, या वह पदनाम केवल हिक्सोस के काल में ही मान्य है, जब फिरौन स्वयं मिस्र के वंश का नहीं था। दूसरे शब्दों में, आप क्वालीफायर "एक मिस्री" क्यों जोड़ेंगे? ऐसा लगता है कि यह एक अपवाद है. वह और क्या होगा? वह मिस्र में है! आप उम्मीद करेंगे कि यह केवल "पोतीपर" कहे। लेकिन अगर यह हिक्सोस काल में है तो यहां कुछ अनोखा देखने को मिलेगा। यहाँ यह पोतीफर है जो वास्तव में मिस्र का है। यह निश्चित रूप से किसी भी तरह से निर्णायक तर्क नहीं है। तो, इनमें से कोई भी तर्क, भले ही वे प्रशंसनीय तर्क हों, वे वास्तव में निर्णायक नहीं हैं। वे आपको इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए बाध्य नहीं करते कि हिक्सोस के समय में उसे वहां रहना था।

मुझे लगता है कि मेरा समय समाप्त हो गया है, इसलिए हम अगले घंटे में हिक्सोस से पहले जोसेफ के मिस्र आने के लिए इन तर्कों को दूसरे तरीके से देखेंगे।

डॉन सियान्सी द्वारा प्रतिलेखित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादित
मारिया कॉन्सटेंटाइन
द्वारा अंतिम संपादन टेड हिल्डेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया